State sector or private sector before the proposal is further considered by them for accord of techno-economic clearance. These details have not been received from APSEB. Clearances from Ministry of Environment & Forests and Central Water Commission is also to be obtained by the APSEB.

नजफगढ़ में बिजली की कमी

975. **श्री अनन्त राम जायसवाल :** क्या विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली के नजफगढ़ के ढासा गांव के निवासियों ने बिजली की निर्बाध पूर्ति न होने के कारण 11 जुलाई, 1991 को सड़क-मार्ग अवरुद्ध कर दिया था ;

(ख) यदि हां, तो इस गांव में कब से बिजली की पूर्ति अनियमित है; और

(ग) क्या उक्त शिकायत को दूर करने के लिए कोई कार्यवाही की गई थी; यदि हां, तो कब और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) डेसू के अनुसार, दिनांक 11-7-91 को ासा गांव के कुछ निवासियों द्वारा मार्ग अवरुद्ध किए जाने की घटना से पूर्व 4-5 दिन के लिए ढामा गांव में बिजली की आपूर्ति में व्यवधान हुआ था। एक फीडर केबिल के क्षति-ग्रस्त होने एवं गड़बड़ी को सुधारने में अपेक्षाकृत अधिक समय निहित होने के कारण विद्युत आपूर्ति में व्यवधान हुआ। केबिल की गड़बड़ी को सुधारने के बाद दिनांक 11-7-91 को विद्युत आपूर्ति सामान्यहो गई थी।

आयातित पेट्रोल और कच्चे तेल के मूल्य

976. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय सरकार द्वारा आयातित पेट्रोल और कच्चे तेल का प्रति बैरल मूल्य कितना-कितना है और इसकी ढुलाई और इसके परिशोधन पर प्रति बैरल कितनी राशि खर्च होती है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : भारत इस समय पेट्रोल का आयात नहीं कर रहा है। अप्रैल, 1991 से जून, 1991 की अवधि के लिए जिस कच्चे तेल का आयात किया गया है उसका औसतन मूल्य 16.47 डालर प्रति बैरल है। कच्चे तेल ढोने की परिवहन लागत कच्चे तेल के आपूर्ति स्रोत केन्द्र और रिफाइनरी के स्थान पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिफाइनरी की रिफाइनिंग लागत अलग-अलग होती है जोकि विभिन्न बातों यथा कितनी पुरानी रिफाइनरी है, प्रयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी और कच्चे तेल के मिश्रण इत्यादि पर निर्भर करती है।

पंजाब में बिजली की कमी

977. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पंजाब में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती हुई स्थिति को देखते हुए वहां बिजली की कमी को पूरा करने के लिए प्रभारी कदम उठाये हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि चालू वर्ष के दौरान राज्य में बिजली की अधिकतम मांग 3,500 मेगावाट तक होने की सम्भावना है; और

(घ) यदि हां, तो इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) अप्रैल, 91–जून, 91 की अवधि के दौरान पंजाब में ऊर्जा की आवश्यकता 4288 मि० यूनिट थी जिसकी तुलना में उपलब्धता 4127 मि० यूनिट थी इसके परिणामस्वरूप 161 मि० यूनिट (3.8%) की कमी रही ।

(ग) 1991–92 के दौरान पंजाब में प्रत्याशित व्यस्ततम कालीन मांग/भार लगभग 3286 मे०वा० होगा ।

(घ) विद्युत की उपलब्धता में सुधार करने के लिए किए गए विभिन्न उपायों में ये शामिल हैं ; नई विद्युत उत्पादन क्षमता को शीघ्र चालू करना, लघु निर्माण-अवधि वाली परियोजनाओं को क्रियान्वित करना, विद्यमान विद्युत केन्द्रों के कार्य-निष्पादन में सुधार करना, पारेषण एवं वितरण हानियों की मात्रा को कम करना, मांग प्रबंध एवं ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना तथा अधिशेष वाले क्षेत्रों से कमी वाले क्षेत्रों को उर्जा के अंतरण की व्यवस्था करना ।

सामान की ढुलाई के लिए अलग विमान

978. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में माल की ढुलाई के लिए विमानों के एक अलग बेड़े की व्यवस्था करने का निर्णय किया है और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और विमानों द्वारा माल की ढुलाई कब से आरंभ हो जाने की संभावना है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

कच्चे तेल के मूल्य में वृद्धि

979. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में उत्पादित कच्चे तेल के मूल्य में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार सिफारिशों के अनुसार कच्चे-तेल के मूल्य में कितनी वृद्धि करने का विचार रखती है ;

(ग) कच्चे-तेल के मूल्यों में वृद्धि करने के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल की लागत का मूल्यांकन कर लिया है; और

(ङ) यदि हां, तो कच्चे-तेल की उत्पादन लागत कितनी है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) से (ङ) इस संबंध में तेल मूल्य पुनरीक्षा समिति (ओ पी आर सी) की सिफारिशों की जांच की जा रही है ।